मालिक, प्रकाशक, सम्पादक
ओमप्रकाश नाजवानी
92692-14000

Our Social Media Reaching on 25k People
7.68 k
13.6 k
2.37 k
4.9 k

दैनिक अपडेट न्यूज़
आगाज की आवाज
Call: 92692-14000

24 June. 2024

राजस्थान › दिल्ली › उत्तर प्रदेश › मध्य प्रदेश › झारखण्ड

Daily Update ePaper .. Not Printable | RNI No. RAJHIN/2013/54948 | www.aagajkiaawaj.com

'मेरा मन दुखी है लेकिन संतुष्ट हूं क्योंकि...', वायनाड की जनता के नाम राहुल गांधी का भावुक संदेश

आगाज की आवाज
ओमप्रकाश नाजवानी

लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने वायनाड और रायबरेली ने चुनाव लड़ा और जीता था। इसके बाद कांग्रेस आलाकमान ने फैसला लिया था कि राहुल वायना,सीट छोड़ेंगे और इस सीट से उनकी बहन प्रियंका गांधी को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा। अब राहुल गांधी ने वायनाड की जनता के लिए एक भावुक संदेश लिखा है। कांग्रेस नेता ने अपने पत्र में वायनाड की जनता को अपार समर्थन के लिए धन्यवाद कहा है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र में लिखा कि वे दुखी हैं लेकिन संतुष्ट भी हैं क्योंकि उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रियंका गांधी संसद में वायनाड का प्रतिनिधित्व करेंगीं।

राहुल गांधी का वायनाड की जनता के नाम पत्र

राहुल गांधी ने लिखा 'मै पांच वर्ष पहले आप लोगों से मिला। पहली बार जब मैं आप लोगों के बीच पहुंचा और आपसे समर्थन मांगा। मैं आप सभी के लिए अनजान था और उसके बाद भी आप लोगों ने मुझ पर भरोसा जताया। आप लोगों ने मुझे गले लगाकर मुझे प्यार और स्नेह दिया। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस जाति, किस समुदाय से हैं या आप कौन सी भाषा बोलते हैं। जब मुझे प्रतिदिन अपशब्दों का सामना करना पड़ा, उस दौरान आपके सभी के प्यार मेरी ढाल बना। आप लोग मेरा घर, मेरा परिवार रहे। मुझे कभी भी यह महसूस नहीं हुआ कि आप लोगों ने मुझ पर शक किया हो।'

मुझे आप लोगों के साथ गले मिलना याद रहेगा - राहुल गांधी

केरल में आई बाढ़ को याद करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा 'बाढ़ के दौरान मैंने जो देखा, उसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। उस दौरान एक के कई परिवारों ने अपना सब कुछ खो दिया था। उन्होंने आगे लिखा 'मुझे आपके द्वारा दिए गए अनगिनत फूल हमेशआ याद रहेंगे। आप लोगों का मुझसे गले मिलना याद रहेगा। संसद में आपकी आवाज बनना वास्तव में खुशी और सम्मान की बात थी। वायनाड लोकसभा सीट छोड़ने पर मुझे दुख है, लेकिन मुझे सांत्वना भी है क्योंकि मेरी बहन प्रियंका आपका प्रतिनिधित्व करने के लिए मौजूद होंगी। अगर आप उन्हें मौके दें तो मुझे विश्वास है कि वह आपकी सांसद बनकर अच्छे काम करेंगी। मुझे इस बात की भी सांत्वना है कि रायबरेली के लोगों बीच मेरा एक प्यारा परिवार है। आपके और रायबरेली के लोगों दोनों के लिए मेरी प्रतिबद्धता है कि हम नफरत और हिंसा के खिलाफ मजबूती से लड़ेंगे।'

उत्तर प्रदेश पर थरूर के पोस्ट से विवाद, हरदीप सिंह पुरी बोले- आत्ममंथन की जरूरत है मेरे दोस्त

आगाज की आवाज
ओमप्रकाश नाजवानी

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को नीट-यूजी पेपर लीक विवाद के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ऐसा पोस्ट साझा किया, जिससे विवाद खड़ा हो गया। दरअसल, इस पोस्ट में एक सवाल पूछा गया कि उत्तर प्रदेश किसे कहते हैं? जवाब में लिखा गया था कि वो प्रदेश जहां परीक्षा से पहले उत्तर पता चल जाए उसे उत्तर प्रदेश कहते हैं। अब कांग्रेस नेता के इस पोस्ट पर भाजपा के नेताओं ने पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने उनके पोस्ट पर पलटवार करते हुए लिखा, सीरियसली कहूं तो शशि थरूर क्या आप इस स्तर तक जाना चाहते हैं? उत्तर प्रदेश न केवल हमारी सभ्यता में अपने योगदान के लिए जाना जाता है, बल्कि इसने असंख्य साहित्यिक, राजनीति दिग्गजों और उपलब्धि हासिल करने वालों को भी जन्म दिया है। यह कांग्रेस के पहले परिवार का भी घर है, जिन्हें आपकी पार्टी के सभी नेता नमन करते हैं। मुझे हैरानी है कि सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में शिक्षित होने के बावजूद आपने पूरे राज्य पर इस तरह की टिप्पणी करना चुना। गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है मेरे दोस्त।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने भी कांग्रेस नेता की पोस्ट प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, मुझे अपने राज्य और उसके लोगों को इस तरह की निंदरनीय टिप्पणियों के साथ नीचा दिखाने में कोई मजाक नहीं लगता। उत्तर प्रदेश का ऐसा अपमान निंदनीय है और इसकी कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने भी कांग्रेस नेता शशि थरूर के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी और लिखा कि भारतीयों को शर्मिंदा करने की बेशर्मी भरी राजनीति - यही कांग्रेस का तरीका है, जिसे इस स्व-घोषित वैश्विक नागरिक ने बखूबी प्रदर्शित किया है। कुछ महीने पहले ही कांग्रेस के एक और 'वैश्विक नागरिक' पित्रोदा ने भारतीयों को अफ्रीकी, चीनी, मध्य पूर्वी आदि बताया था, इस तरह की श्रेष्ठता की भावना कांग्रेस के डीएनए में गहराई से समाई हुई है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें
92692 14000
AAGAJ KI AAWAJ NEWS
AAGAJ KI AAWAJ .COM

कांग्रेस ने फिर उठाया महताब को प्रोटेम स्पीकर पद दिए जाने का मुद्दा, इस सांसद का नाम ले BJP को घेरा

आगाज की आवाज
ओमप्रकाश नाजवानी

लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति को लेकर उठे विवाद के बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा सांसद रमेश चंदप्पा जिगाजिनागी को दरकिनार कर भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर पद के लिए क्यों चुना गया। उन्होंने कहा कि जिगाजिनागी भी लगातार सातवीं बार सांसद बने हैं। बता दें कि कांग्रेस ने सरकार पर आठ बार लोकसभा सदस्य रहे कोडिकुन्निल सुरेश की जगह सात बार सांसद रहे भाजपा के भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर चुनकर संसदीय मानदंडों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। कांग्रेस का कहना है कि नियमों के अनुसार सबसे वरिष्ठ सांसद सुरेश को इस पद पर नियुक्त किया जाना चाहिए था।

जयराम रमेश ने एक्स पर साझा की पोस्ट

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट की। उन्होंने लिखा 'कांग्रेस के कोडिकुन्निल सुरेश अपने आठवें कार्यकाल में हैं और उन्हें प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया जाना चाहिए था। लेकिन सुरेश की जगह भाजपा के भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया।' कांग्रेस नेता ने सवाल पूछा कि भाजपा सांसद रमेश चंदप्पा जिगाजिनागी के नाम पर विचार क्यों नहीं किया गया? जो लगातार सातवीं बार सांसद हैं, क्या इसलिए कि जिगाजिनागी भी सुरेश की तरह दलित हैं?

जयराम रमेश को भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का जवाब

जयराम रमेश के सवाल पर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सुरेश को नेता प्रतिपक्ष बनाना चाहिए। शहजाद पूनावाला ने एक्स पर लिखा 'अगर आप कोडिकुन्निल सुरेश के राजनीतिक करियर को लेकर इतने चिंतित हैं, तो मैं आपसे आग्रह करूंगा कि उन्हें विपक्ष का नेता बनाया जाए। इसके साथ ही 2026 में केरल चुनाव के लिए सुरेश को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाया जाए।' पूनावाला ने सवाल कि एक अस्थायी पद के लिए इतना तनाव क्यों फैलाया जा रहा है?

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने क्या कहा?

उधर, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि महताब को इस पद के लिए इसलिए चुना गया है क्योंकि संसद के निचले सदन के सदस्य के तौर पर उनका कार्यकाल लगातार सबसे लंबा है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि सुरेश ने आठ बार के लोकसभा चुनाव जीता लेकिन 1998 और 2004 में वे चुनाव हार गए थे। रिजिजू ने आगे कहा कि दो बार हारने के कारण कोडिकुन्निल सुरेश, संसद के लगातार सदस्य नहीं रहे हैं।